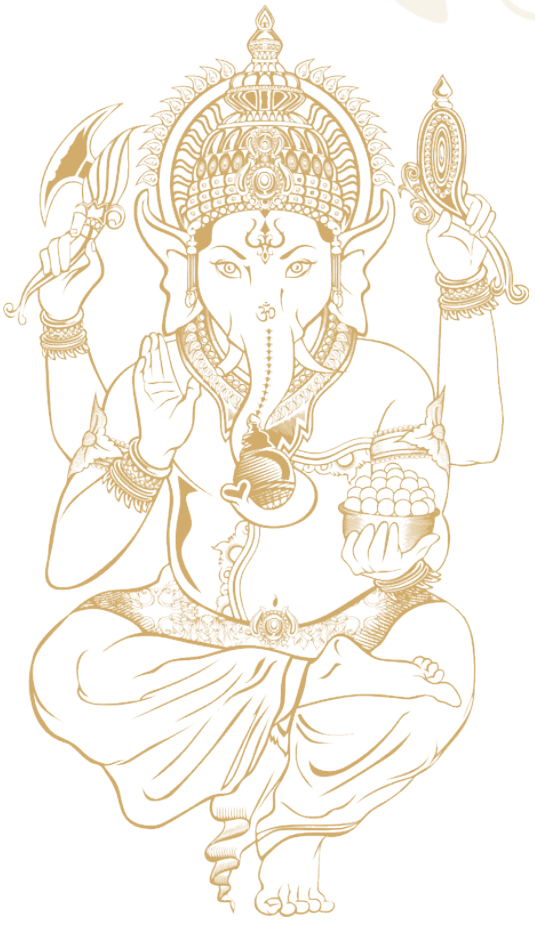

Anup

Shivi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120330204

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/11/1995	जन्म तिथि	13/02/1996
गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 09:30:00	जन्म समय	08:25:00 घंटे
घटी 07:55:13	जन्म समय(घटी)	04:10:40 घटी
India	देश	India
Jabalpur	स्थान	Mandla
23:10:00 उत्तर	अक्षांश	22:35:00 उत्तर
79:57:00 पूर्व	रेखांश	80:28:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:10:12	स्थानिक संस्कार	-00:08:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:19:54	सूर्योदय	06:42:01
17:28:01	सूर्यास्त	18:02:58
23:41:43	के.पी. अयनांश	23:41:56

विंशोत्तरी चन्द्र 7वर्ष 5मा 9दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शनि 9वर्ष 10मा 7दि
राहु	03:40:37	धनु	लग्न	मीन	01:51:35	केतु
19/04/2010	22:34:35	तुला	सूर्य	मक	29:58:59	21/12/2022
18/04/2028	13:24:41	वृष	चंद्र	वृश्चि	09:45:06	21/12/2029
राहु 30/12/2012	20:18:25	वृश्चि	मंगल	कुंभ	04:25:31	केतु 19/05/2023
गुरु 25/05/2015	14:09:10	तुला	बुध	मक	04:06:23	शुक्र 18/07/2024
शनि 31/03/2018	23:59:42	वृश्चि	गुरु	धनु	14:59:27	सूर्य 23/11/2024
बुध 18/10/2020	13:26:29	वृश्चि	शुक्र	मीन	11:02:40	चन्द्र 24/06/2025
केतु 05/11/2021	24:26:29	कुंभ व	शनि	कुंभ	29:42:57	मंगल 21/11/2025
शुक्र 05/11/2024	02:45:41	तुला व	राहु व	कन्या	25:01:41	राहु 09/12/2026
सूर्य 30/09/2025	02:45:41	मेष व	केतु व	मीन	25:01:41	गुरु 15/11/2027
चन्द्र 01/04/2027	03:18:27	मक	हर्ष	मक	08:08:58	शनि 24/12/2028
मंगल 18/04/2028	29:25:04	धनु	नेप	मक	02:34:48	बुध 21/12/2029
	06:14:28	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:16:40	

लग्न-चलित

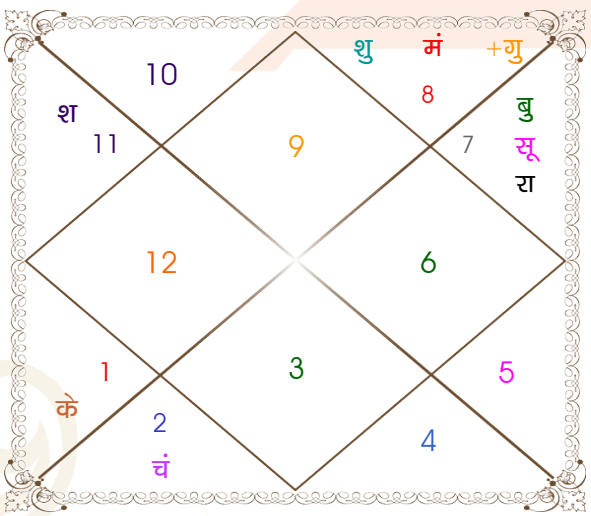

लग्न-चलित

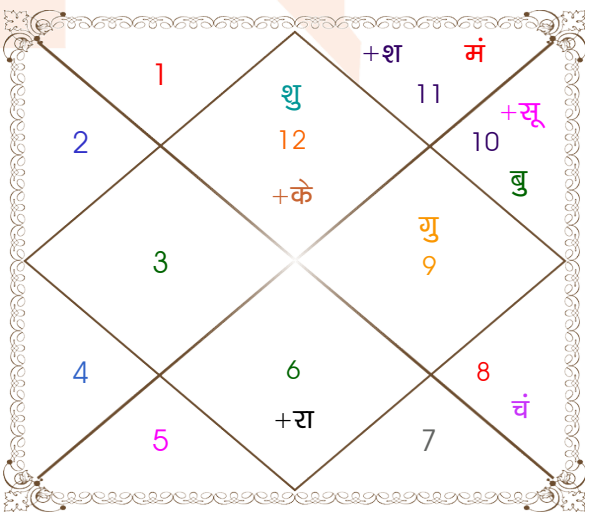

Astrologer Sourabh Tripathi
Astrology | Vastu | Gems Stone
+917024551008
P.sjk1008@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

Anup का वर्ग मृग है तथा Shivi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Anup और Shivi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Anup मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Anup कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Anup कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Anup कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Shivi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Shivi कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Anup कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Anup तथा Shivi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।